केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 296 गुरूवार 21 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें अधिकारी–डीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण, लम्बित प्रकरणों तथा शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि की विभागवार समीक्षा की गयी। बैठक के दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर उपलब्ध अद्यतन आकड़ों का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होने कहा कि शिकायतों का निस्तारण औपचारिकता न होकर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक होना चाहिए। उन्होने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायती संदर्भो का समयसीमा के भीतर निस्तारण करना सुनिश्चित करें, जिससे शासन स्तर से फीडबैक लेने पर शिकायतकर्ता अपनी संतुष्टि का फीडबैक दे सकें, जिससे जनपद की रैंकिंग बेहतर हो सकें।

उन्होने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलम्ब पाये जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध सख्त विभागीय कार्यवाही की जायेंगी। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति से संबंधित आवेदनों में आधार फीड़िंग का कार्य कैम्प लगाकर कराये। जिलाधिकारी ने लम्बित मुकदमों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे सभी प्रकरणों को संज्ञान में लेकर अतिशीघ्र नियमानुसार निस्तारण करें।

बैठक में सीडीओ सार्थक अग्रवाल, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, डीएफओ डा. शिरीन सिद्दीकी, उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक, सत्येन्द्र सिंह, हिमांशु कुमार, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, बीएसए अनूप तिवारी, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, डीपीआरओ धनश्याम सागर, एलडीएम आर.एन. मौर्या, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, ईडीएम सौरभ द्विवेदी सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

किराए की दुकान में मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र के बिहरा रेहरवा गांव में बुधवार सुबह एक किराए की दुकान में 28 वर्षीय युवक पवन कुमार का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू की। फील्ड यूनिट और क्षेत्राधिकारी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मृतक के भाई संतोष कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया कि पवन कुमार मंगलवार को अपने ससुराल गोंडा जिले के खोड़ारे थाना क्षेत्र स्थित जगदीशपुर ब्रांच से लौटे थे। रात में वह अपनी किराए की दुकान में सोने चले गए थे। बुधवार सुबह काफी देर तक दुकान नहीं खुलने और अंदर से कोई आवाज नहीं आने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद शटर का ताला तोड़कर दुकान खोली गई, जहां पवन कुमार मृत अवस्था में पड़े मिले। शव मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच की। पुलिस के अनुसार, मृतक के दाहिने पैर और हाथ में अस्पताल की पट्टियां बंधी मिली हैं।

जिनपिंग से मिले पुतिन: रूस और चीन ने अमेरिका पर साधा निशाना

बीजिंग (आभा)। बीजिंग में आयोजित शिखर बैठक के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक बार फिर अमेरिका केंद्रित वैश्विक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत करते हुए कहा कि कुछ देश पूरी दुनिया पर अपना प्रभुत्व थोपने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसी नीतियां अब असफल हो चुकी हैं। रूस और चीन ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि दुनिया को औपनिवेशिक सोच और एकतरफा दबाव की राजनीति से खतरा पैदा हो रहा है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के ठीक बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी चीन पहुँचे और अपने मित्र

राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ लंबी चर्चा की। बीजिंग में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और अंतरराष्ट्रीय रणनीति से जुड़े बीस से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि रूस और चीन अब खुलकर पश्चिमी प्रभाव के मुकाबले साझा मोर्चा बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। संयुक्त घोषणा में दोनों देशों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विखंडन और जंगल के कानून जैसी स्थिति लौटने का खतरा पैदा हो रहा है। यह बयान सीधे तौर पर उस वैश्विक व्यवस्था पर हमला माना जा रहा है जिसका नेतृत्व लंबे समय से अमेरिका करता रहा है।

शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा कि रूस और चीन को हर प्रकार की एकतरफा दबंगई और इतिहास को पीछे ले जाने वाली गतिविधियों का विरोध करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश रणनीतिक स्तर पर और अधिक समन्वय बनाए रखेंगे तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को तेज करेंगे। दूसरी ओर पुतिन ने कहा कि रूस और चीन अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थिरता लाने वाली ताकतें हैं और दोनों स्वतंत्र विदेश नीति के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बैठक के दौरान रूस और चीन ने लंबे समय से अटकी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई। साइबेरिया शक्ति दो नामक इस परियोजना को लेकर रूस के सरकारी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच सामान्य समझ बन चुकी है।

जनगणना ड्यूटी में अनियमितता का शिक्षकों ने किया मुखर विरोध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनगणना कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी अनियमित ढंग से लगाए जाने को लेकर शिक्षकों में नाराजगी देखने को मिली। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी निर्धारण में पारदर्शिता नहीं बरती गई तथा दूरस्थ क्षेत्रों में मनमाने तरीके से तैनाती कर दी गई। शिक्षकों ने कहा कि यदि लगाई गई जनगणना ड्यूटी रद्द करके पुनः नए सिरे से उनके सुविधानुसार नहीं लगाई गई तो वह सभी जनगणना का सामूहिक बहिष्कार करेंगे। जिसको लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में शिक्षक सदर तहसील में अधिकारियों और कर्मचारियों से मिले। जब अधिकारियों और कर्मचारियों ने शिक्षकों की बात नहीं मानी तो शिक्षक धरने पर बैठ गए जिसके बाद अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान के हस्तक्षेप के बाद सदर तहसील के अंतर्गत लगे सभी शिक्षकों की ड्यूटी तत्काल प्रभाव से रद्द की गई और नए सिरे से लगाने का निर्देश जारी किया गया तब जाकर शिक्षक शांत हुए। ड्यूटी लगाने में पुनः कोई अनियमितता ना होने पाए इसके लिए संबंधित ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारियों को भी लगाया गया है। जिलाध्यक्ष और जिला मंत्री ने कहा कि शिक्षकों की उनके तैनाती स्थल से 40 किलोमीटर दूर ड्यूटी लगाई गई है जो कि बिल्कुल उचित नहीं

–अपर जिलाधिकारी के आश्वासन पर माने शिक्षक, नये सिरे से जारी होगी डयूटी की सूची
–सदर तहसील के शिक्षकों की ड्यूटी तत्काल प्रभाव से रद्द

है। कुदरहा के शिक्षको को ड्यूटी बनकटी, बनकटी के शिक्षको की ड्यूटी साऊघाट, साऊघाट की ड्यूटी बहादुरपुर में लगा दी गयी है।उन्होंने कहा कि जब जनगणना उस क्षेत्र में भी होनी है जहां पर उसकी तैनाती है तो क्यों ना संबंधित शिक्षक की जनगणना ड्यूटी उसी क्षेत्र में लगा दी जाए जहां उसकी तैनाती है। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि ड्यूटी निर्धारण में विद्यालय की दूरी, शिक्षकों की संख्या तथा महिला शिक्षकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नई सूची शिक्षकों की सुविधा में को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष तरीके से तैयार की जाएगी।

धरने में मुख्य रूप से सुधीर तिवारी, अशोक यादव,विजय यादव, राजीव सिंह, अनीश, असद जमाल, आशीष दुबे, संजय यादव, नीरजा चौधरी, साधना यादव, राजेश वर्मा, मुक्तेश्वर, अंतिका , शीला, अजय श्रीवास्तव, रुकनुद्दीन, सनद पटेल, डॉ0 प्रमोद सिंह, अमित सिंह, उमाकांत शुक्ल, सुरेश गौड, प्रदीप कुमार मिश्र, सोनू पाल विश्वास, हृदय विकास पांडेय, मोहम्मद असलम, मक्खन लाल, अशोक कुमार पांडेय, सूरज मौर्य, राम प्रवेश चौधरी,शैलेन्द्र कुमार चौधरी,अनुराधा चौधरी,समसुलहक खान अध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी, मंत्री अनूप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गिरी,चंद्रशेखर त्रिपाठी, राहुल कुमार, विनय चौधरी, सुभाष चंद्र, प्रेम नारायण चौधरी, विवेकानंद सिंह, गुलाबचंद, विकास श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार, कुलदीप गौतम, अतुल वर्मा, विनोद सिंह, नीरज पाण्डेय, हरिशंकर सिंह, कुलदीप गौतम, श्रीनिवास मिश्र, दुर्गेश कुमार सिंह, अतुल शुक्ला, अमरदीप चौधरी, प्रेम नारायण चौधरी, अभिषेक पाण्डेय, बलवंत सिंह, सतीश त्रिपाठी, आनंद कुमार, मोहम्मद आलम, मोहम्मद शाहिद, शिवाजी, सतीश दुबे, रवि तिवारी, अंकित सिंह, शालू सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

उर्मिला फाउन्डेशन की पहल पर शहर में हुई अनोखी शादी: सुमन की शादी में छलके खुशी के आंसू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–परस्पर सहयोग की अनूठी मिशाल से संवरी जिन्दगी

बस्ती। बस्ती शहर ने 19 मई मंगलवार की रात्रि में परस्पर सहयोग का अनूठा उदाहरण देखा जहां उर्मिला फाउन्डेशन के संस्थापक भारतीय जनता पार्टी नेता आलोक पाण्डेय की पहल पर एक बेटी का विवाह धूमधाह से बडे बन स्थित शारदा मैरेज हाल में सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में लोगों ने सहयोग किया। पतेलवा निवासिनी मां कमलावती गरीबी की मार से परेशान थी, पति का पहले ही निधन हो गया था। उसे यह भय सता रहा था कि उसकी बेटी सुमन के हाथ कैसे पीले होंगे। जब इसकी जानकारी उर्मिला फाउन्डेशन के संस्थापक आलोक पाण्डेय को हुई तो वे सुमन के भाई के रूप में सामने आये और विवाह की सारी रश्मे निभायी। मां कमलावती की आंखों को भरोसा नहीं हो रहा था कि उसकी बेटी सुमन का विवाह इतनी भव्यता से हो रहा है। सुमन की आंखों में भरोसा और खुशी के आंसू थे। बुधवार को उसकी विदाई हुई तो लोगों ने कई उपहार सौपे। दुबौलिया विकास खण्ड क्षेत्र के बरसाव निवासी रामकुमार के साथ धूम धाम के से सम्पन्न हुई। बैण्ड बाजा, डीजे के बीच द्वारचार से लेकर विवाह तक शहर के अनेक विशिष्ट जन उपस्थित रहे और वर–बधू को आशीर्वाद दिया। सुमन के विवाह में मुख्य रूप से नवीन श्रीवास्तव, महफूज, बब्लू तिवारी, ईश्वरा मिश्रा, संदीप तिवारी, गिरजेश श्रीवास्तव, शनिदेव मणि त्रिपाठी, उपेन्द्र शुक्ल, विवेक पाण्डेय, विकास चौधरी, कृष्ण कुमार उर्फ सोनू पाण्डेय, मुरली पाण्डेय, मोनू पाण्डेय, विजय मिश्र, अशोक वर्मा, राजकुमार गौड़, पिकूं पाण्डेय, प्रियांशु तिवारी, अनुराग शुक्ल, सौरभ पाण्डेय, दुर्गेश पाण्डेय, दीप पाण्डेय, अवधेश उपाध्याय, सूर्या उपाध्याय, सिद्धार्थ पाण्डेय, माता प्रसाद निषाद, शशांक पाण्डेय, शिवम पाण्डेय, शौर्य प्रताप सिंह, आनन्द शुक्ल, रोहित दूबे, महेन्द्र गुप्ता, विजय मिश्रा, दिव्यांशु दूबे आदि साक्षी बने और सहयोग किया।

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में बंद रहीं दवा की दुकानें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को ऑनलाइन फार्मेसी की अनियंत्रित कार्यप्रणाली और दवा व्यवसायियों के हितों पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव के विरोध में जिलेभर की दवा दुकानें बंद रहीं। केमिस्ट एंड ड्रजिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर हुए इस राष्ट्रव्यापी बंद के समर्थन में दवा व्यवसायियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें ऑनलाइन दवा बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की गई है।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि ई–फार्मेसी प्लेटफॉर्म बिना भौतिक सत्यापन के दवाओं की बिक्री कर रहे हैं। इससे एक ही प्रिस्क्रिप्शन का बार–बार उपयोग हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एआई आधारित फर्जी प्रिस्क्रिप्शन के माध्यम से एंटीबायोटिक और नशीली दवाओं की बिक्री बढ़ी है, जो जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। इससे श्एंटी माइक्रोबियल रेसिस्टेंसश जैसी समस्या तेजी से बढ़ रही है।

व्यवसायियों ने यह भी कहा कि बड़े कॉरपोरेट समूह 'डीप डिस्काउंट' के जरिए बाजार व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि कोविड–19 के दौरान जारी अस्थायी अधिसूचना को अब तक लागू रखना उचित नहीं है।

आद्याशरण चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष,राजबल्लभ सिंह महामंत्री घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोषित समाज दल का दो दिवसीय 21 वां राष्ट्रीय सम्मेलन बड़ेवन के निकट स्थित एक रेस्टोरेन्ट के सभागार में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक स्थिति, युद्ध के बीच उभरी स्थितियों पर व्यापक विमर्श किया गया। वक्ताओ ने सोषित समाज दल के उद्देश्य को विस्तार से रखा। अधिवेशन के दूसरे सत्र में रामविलास पासवान की देख रेख में राम विलास प्रसाद की देख रेख में 22 वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सर्व सम्मत से पूर्व न्यायाधीश आद्याशरण चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष, राम प्रवेश यादव पूर्व मुखिया, मुकेश प्रसाद उपाध्यक्ष, राजबल्लभ सिंह महामंत्री, विनोद कुमार, लौटन प्रसाद राष्ट्रीय मंत्री, वृजनन्दन सिंह कोषाध्यक्ष घोषित

–सोषित समाज दल के राष्ट्रीय सम्मेलन में राजनीतिक, सामाजिक मुद्दों पर विमर्श

किये गये।

इसके साथ ही अखिलेश्वर प्रसाद, राकेश कुमार, ओम प्रकाश कटियार, केदारनाथ भाष्कर सदस्य चुने गये। यह जानकारी देते हुये महामंत्री राजबल्लभ सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के अनेक राज्यों के प्रतिनिधियों, सदस्यों ने हिस्सा लिया।

जन–जन से संवाद बनायेगी भाजपा –सत्येन्द्र सिंह 'भोलू'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को नगर बाजार स्थित नगर पंचायत अध्यक्ष कैम्प कार्यालय पर भाजपा बहादुरपुर मंण्डल की बैठक मण्डल अध्यक्ष विजयभान सिंह की अध्यक्षता में और मुख्य अतिथि सत्येंद्र सिंह भोलू मण्डल प्रभारी मौजूदगी में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 24 मई को सभी शक्तिकेन्द्र की बैठक और 31 मई को मन की बात सभी बूथों पर शत् प्रतिशत सुनने की रुप रेखा तैयार की गई।

मुख्य अतिथि सत्येंद्र सिंह भोलू ने शक्ति केंद्र और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम पहले हर बूथ पर अपने तेजतर्रार निष्ठावान कार्यकर्ता तैयार कर लें , उसके बाद हम उस बूथ के

हर व्यक्ति से सीधे सम्पर्क में जुड़ेंगे। मण्डल के अध्यक्ष विजयभान सिंह ने कहा हमारे सभी बूथों की और शक्ति केंद्र की कमेटी तैयार कर लिया गया है और जहां छूटा है वह एक दो दिन में तैयार कर ली जायेगी।

बैठक में श्रुति अग्रहरि,अनिल श्रीवास्तव, रविन्द्र प्रताप सिंह लाल, सतीश पांडेय, शारदा सिंह, प्रदीप सिंह, अयोध्या पांडेय,अजय श्रीवास्तव, लालजी, संजय पांडे, रामकृपाल यादव, बलवंत चौहान, विक्की,रन विजय गौतम सहित मण्डल के समस्त पदाधिकारी, शक्ति केंद्र अध्यक्ष और संजोयक तथा बूथ स्तरीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाली गैस सिलेण्डर रखकर चूल्हे पर बनायी चाय, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को बहुजन मुक्ति पार्टी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम, युग विंग जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश गौतम के नेतृत्व में तीन चरण बद्ध आंदोलन की कड़ी में घरेलू गैस, स्मार्ट मीटर, डीजल, पेट्रोल सहित जनहित के 15 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुये जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया। इसके पूर्व जिलाधिकारी कार्यालय के सामने चूल्हे पर चाय बनाकर खाली गैस सिलेंडर रखकर प्रदर्शन करते हुये सरकार को जन समस्याओं को लेकर आईना दिखाया गया।

भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आर. के. आरतियन चंद्रिका प्रसाद ने ज्ञापन सौंपने के बाद कहा कि समस्याओं का समुचित निराकरण न हुआ तो आन्दोलन जारी रहेगा। कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा महंगाई, बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में विफल है। स्मार्ट मीटर द्वारा अधिकतम बिजली बिल उपभोक्ताओं पर थोपा जा रहा है। महंगे घरेलू गैस और कॉमर्शियल गैस एवं महंगे पेट्रोल–डीजल ने देश के बहुजन समाज के लोगों की आर्थिक कमर तोड़ने का सुनियोजित षड्यंत्र केन्द्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसके विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जा रहा है।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि एक तरफ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के द्वारा जनता

–केन्द्र सरकार महंगाई, बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में विफल–हृदय गौतम

के वोटों की चोरी हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ स्मार्ट के द्वारा जनता को लूटा जा रहा है। विद्युत सप्लाई ना करते हुए भी उपभोक्ताओं पर स्मार्ट मीटर द्वारा बिल थोपा जा रहा है। इस पर रोक लगाया जाय। घरेलू गैस रूपया 1500 से लेकर 2000 तक और कॉमर्शियल गैस रू. 2500 से लेकर रू. 3500 तक महंगा कर दिया है। देश के प्रत्येक नागरिकों को रोजी–रोटी, कपड़ा–मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन वर्तमान केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की आम जनता परेशान है। घरेलू गैस सिलेण्डर के लिये लोग परेशान है, कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति रूकने से होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट का काम पूरी तरह से ठप हो चुका है। इसके कारण बेरोजगारी लगातार बढ रही है। गैस एजेंसियां एजेंटां के माध्यम से काला बाजारी कर ब्लैक से महंगे कीमतों में सिलेण्डर गैस बेच रही है। पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों ने कर्मचारी, किसान–श्रमिक, युवा–छात्रों को प्रभावित किया है। मांग किया कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार जनता का अनावश्यक उत्पीड़न बंद करे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से सुग्रीव चौधरी जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय किसान मोर्चा, अमरनाथ, राम सुमेर यादव मंडल उपाध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, सोनी जिला अध्यक्ष भारतीय विद्यार्थी छात्रा प्रकोष्ठ, दिनेश कुमार, पवन कुमार, ठाकुर प्रेम नंदवंशी मंडल महासचिव राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, डा रिफाकत अली प्रदेश मीडिया प्रभारी राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा मो जावेद ,सीता भारती,सुनील यादव, वंश बहादुर चौधरी,मो अजीम ,मो आरिफ,बबिता, चंद्रावती आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 मई 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

रेल यात्रियों की सुरक्षा के यक्ष प्रश्न

रेल सेवा आम लोगों के लिए जीवन रेखा मानी जाती है, मगर यह सुविधा कई बार यात्रियों की जान पर भारी पड़ जाती है। सरकार की ओर से देश के रेल सेवा तंत्र को विश्वस्तरीय बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि कब और कहां रेल हादसा हो जाए, इसकी आशंका हमेशा बनी रहती है। पिछले दो दिन में तीन रेल हादसों ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता को और गहरा कर दिया है।

बिहार के सासाराम में सोमवार को प्लेटफॉर्म पर खड़ी एक यात्री रेलगाड़ी में आग लग गई, जिससे एक डिब्बा पूरी तरह जल गया। दूसरा हादसा उत्तराखंड में ऋषिकेश के योगनगरी रेलवे स्टेशन पर रात को हुआ, जब ट्रैक बदलते समय उज्जैनी एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इससे पहले रविवार को मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में राजधानी एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगने की घटना सामने आई थी। गनीमत रही कि इन तीनों हादसों में कोई जनहानि नहीं हुई। मगर सवाल है कि इस तरह के हादसों से सबक लेकर हर स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाने को लेकर गंभीरता आखिर नदारद क्यों है?

यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सुरक्षित सफर के लिए रेल सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर जोर दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ बुनियादी सुरक्षा उपाय विभागीय अनदेखी की वजह से कमजोर पड़ते जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, सासाराम में रेलगाड़ी की एक बोगी में आग की घटना के समय स्टेशन पर अग्निशमन की माकूल व्यवस्था नहीं थी। न तो वहां रेलगाड़ी में पानी भरने के लिए बिछाई गई पाइपलाइन से तत्काल पानी उपलब्ध हो पाया और न ही स्टेशन पर रखे गए अग्निशमन सिलेंडरों में गैस थी। आग कैसे लगी, इसका भी कोई स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है। यह बात छिपी नहीं है कि इस तरह के रेल हादसों में नाममात्र की कार्रवाई होती है और बाद में जांच के नतीजे भी सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं। कहने को रेलवे बोर्ड के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, लेकिन व्यवस्थागत खामियों को जब तक दुरुस्त नहीं किया जाएगा और हर स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक सुरक्षित सफर की उम्मीद धुंधली ही रहेगी।

दहेज के दंश में घुटती महिलायें

किसी भी समाज के सभ्य होने की कसौटी यह है कि वह अपने बीच परंपरा से चली आ रही वैसी कुप्रथाओं से किस हद तक मुक्ति हासिल कर पाता है, जो अमानवीय होने के साथ कानूनन अपराध भी हैं। मगर ऐसा लगता है कि हमारे देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर समाज एक तरह की उदासीनता में रहता है। नतीजतन, जहां आधुनिक मूल्यों के साथ हो रहे सामाजिक विकास के बीच महिलाओं के प्रति दुराग्रह और कुंठा की हिंसा की जगह पूरी तरह खत्म होनी चाहिए थी, वहां आज भी कई ऐसी परंपराएं मुखर दिखती हैं, जिनकी वजह से महिलाओं का जीवन–संघर्ष कई गुना बढ़ जाता है।

हालत यह है कि जिस दहेज जैसी समस्या के खिलाफ सबसे ज्यादा अभियान चले, बेहद सख्त कानूनी प्रावधान किए गए, उसकी वजह से आज भी अक्सर महिलाओं की जान जा रही है। अर्थव्यवस्था और विकास के चमकते आंकड़ों के बीच आखिर क्या ऐसा छूट रहा है कि न तो समाज अपनी ओर से इस विकृत परंपरा को छोड़ने के लिए संवेदनशील हो रहा है और न ही इस संबंध में बने सख्त कानूनों का खौफ दिखता है।

दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गिने जाने वाले नोएडा यानी गौतमबुद्ध नगर में दहेज उत्पीड़न के कारण एक महिला की मौत की खबर ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर किया है कि सामाजिक विकास की कसौटी पर हम कहां खड़े हैं और यह कितना अफसोसनाक है। कुछ ही दिन पहले भोपाल से भी दहेज की वजह से एक महिला की जान जाने की खबर आई थी। इन मामलों में महिला के परिवार वालों का स्पष्ट आरोप है कि शादी में भारी खर्च करने के बावजूद बाद के दिनों में भी दहेज की लगातार मांग पूरी न हो पाने की वजह से उनकी बेटी की हत्या कर दी गई और उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। आए दिन सामने आने वाली ऐसी घटनाएं बताती हैं कि आम भारतीय परिवारों में दहेज की वजह से उत्पीड़न और हत्या की घटनाएं आज भी एक भयावह वास्तविकता बनी हुई हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के एक आंकड़े के मुताबिक अकेले 2022 में दहेज की वजह से 6,516 महिलाओं की मौत हुई थी।

माना जाता है कि परंपरा के नाम पर जारी कुछ अमानवीय कुप्रथाएं दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में समाज के वैसे हिस्से में चलन में होती हैं, जो किन्हीं वजहों से शिक्षा और प्रगतिशील मूल्यों से दूर रह गए या विकास के सफर में पिछड़ गए। मगर शायद यह बस एक धारणा है और दिल्ली, नोएडा या किसी बड़े महानगर में भी कई लोग कुरीतियों के निर्वाह को लेकर उतने ही संकीर्ण घेरे में जीते हैं।

यह समझना मुश्किल है कि उच्च शिक्षित और आधुनिक मूल्यों के साथ जीने वाले कथित संभ्रांत परिवारों के भीतर भी दहेज जैसी विकृत परंपरा के प्रति इतना मोह क्यों बचा हुआ है कि वे बहू के उत्पीड़न और कई बार हत्या कर देने की हद तक भी चले जाते हैं। विचित्र यह भी है कि ऐसे कई परिवार पहले से ही आर्थिक रूप से खासे समृद्ध होते हैं। इसके बावजूद उनके भीतर बहू के घर से धन हासिल करने की ऐसी अदम्य भूख होती है कि वे अपराध करने से भी नहीं हिचकते। दहेज की वजह से उत्पीड़न, आत्महत्या और हत्या की घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि इस मसले पर कड़ी कानूनी कार्रवाई से लेकर जनजागरूकता अभियानों की सख्त जरूरत है।

बिना खाद के खेती की चुनौती

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दिनों देशवासियों से किये गए सात आग्रहों में से एक आग्रह रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कमी लाने का आग्रह है। इसमें कोई दो राय नहीं कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग के दुष्परिणामों को लेकर गत कई सालों से गंभीर आग्रह किये जा रहे हैं। प्रति हैक्टेयर कृषि उत्पादन सेचुरेशन स्तर पर पहुंच गया है तो मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंच रहा है, मिट्टी और जल प्रदूषण उच्च स्तर पर पहुंच गया है तो रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से कैंसर जैसी बीमारियों का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। होना तो यहां तक लग गया है कि अत्यधिक खाद्यान्न उत्पादन वाले किसान और प्रदेश अपने दैनिक उपभोग के लिए जैविक खाद्यान्न या अन्य प्रदेशों के खाद्यान्न के उपयोग पर जोर देने लगे हैं। इसके साथ ही यह भी एक तथ्य है कि देश में लाख प्रयासों के बावजूद रासायनिक उर्वरकों का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है। विदेशों से 979 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात में से ईंधन के बाद बहुत अधिक आयात राशि उर्वरकों पर भी व्यय होती है। देश में करीब 600 लाख टन उर्वरकों की खपत है तो 2030 तक 700 से 800 लाख टन तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह है कि रासायनिक उर्वरकों में देश की मांग के शत–प्रतिशत पोटाश की विदेशों से आयात पर निर्भरता है तो फास्फेट के तकरीबन 90 प्रतिशत और यूरिया के करीब 25 प्रतिशत तक आयात पर निर्भरता है। मजे की बात यह भी है कि यूरिया की आयात निर्भरता तो करीब 25 प्रतिशत तक है पर यूरिया उत्पादन के लिए काम में आने वाली प्राकृतिक गैस की जरुरत करीब 80 प्रतिशत तक विदेशों से आयात से ही संभव हो पाती है। एक मोटे अनुमान के अनुसार रासायनिक उर्वरकों पर दो लाख करोड़ के आसपास अनुदान राषि दी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कटौती का आग्रह किया है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने के लिए जहां एक और जैविक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है वहीं पीएम प्रणाम योजना में राज्यों को प्रोत्साहित करने की व्यवस्था है। प्रधानमंत्री का आग्रह है कि 10 प्रतिशत फर्मेटेड खाद का उपयोग बढ़ाकर किसान बड़ा सहयोग दे सकते हैं। जून 2023 में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार ने प्रोत्साहन योजना लागू की है। योजना के अनुसार रासायनिक उर्वरकों के तीन साल के औसत उपयोग से खपत कम करने पर अनुदान के रुप में बचाई गई राशि की 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकारों को प्रोत्साहन के रुप में देने की व्यवस्था की गई है। इसमें से 70 प्रतिशत राशि गांवों में वैकल्पिक उर्वरक यानी जैविक खाद उत्पादन व तकनीक के विस्तार पर व्यय करने पर जोर दिया जा रहा है वहीं 30 प्रतिशत राशि रासायनिक उर्वरकों की खपत करने के लिए काश्तकारों को जागरुक करने, अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने आदि पर व्यय करने का प्रावधान है। विषेषज्ञों का मानना है कि फर्मेटेड खाद के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की खपत में अच्छी खासा कमी लाई जा सकती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फर्मेटेड खाद मिलाने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री बीजेयूआर कार्यक्रम के तहत मिट्टी की जांच का जो व्यापक कार्यक्रम चलाया जा रहा है उसका उद्देश्य भी यही है कि खेत की आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग किया जाए। अंधाधुंध उपयोग को रोक कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाएं रखना है।

एक बात तो लगभग सबके संज्ञान में आ गई है कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण खेतों की मिट्टी की उपजाउ क्षमता प्रभावित हो रही है तो भूजल का अत्यधिक दोहन होने से भू जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है वहीं रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के कारण खतरनाक स्तर पर प्रदूषित हो रहा है। जैविक विविधता प्रभावित हो रही है तो खेती के सहायक कीटनाशकों का अस्तित्व ही समाप्त होने को है। इसके अलावा खाद्यान्नों के विषैला होने व इन खाद्यान्नों के उपयोग से बीमारियों का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इतना सबकुछ होने के बावजूद रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी ही हो रही है। 2025–26 के आंकडे की ही बात करें तो यूरिया में 138 प्रतिशत, डीएपी के उपयोग में 94 प्रतिशत और एनपीके के उपयोग में 83 प्रतिशत के आसपास बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में प्रधानमंत्री के आग्रह के निहितार्थ को समझना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आग्रह इस मायने में बहस का मुद्दा नहीं होना चाहिए कि सरकार देश की जरुरतों को पूरा नहीं कर पा रही। अपितु गंभीर चिंतन की बात यह है कि हम परंपरागत खेती या जैविक खेती को बढ़ावा देकर आने वाली पीढ़ी और जल–मिट्टी, वायु के प्रदूषण को कम करने में भागीदार बन सकते हैं। केवल 10 प्रतिशत फर्मेटेड खाद मिलाने से ही बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। 50 प्रतिशत तक आयात निर्भरता कम की जा सकती है। आज हम रुस, ओमान, सउदी अरब, मोरक्को, चीन आदि पर उर्वरकों के आयात के लिए निर्भर है। और अरबो डालर आयात पर खर्च करके भी प्रदूषण और सेहत से खिलवाड़ पा रहे हैं। हांलाकि आज अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आसन्न संकट को देखते हुए दूरदृष्टि पूर्ण 7 आग्रहों को प्रतिपक्ष आलोचना के स्तर पर ले रहा है पर यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएम प्रणाम कार्यक्रम जून 23 से चलाया जा रहा है तो पीएमबीजेयूआर कार्यक्रम जो कि खेत की मिट्टी की जांच से जुड़ा कार्यक्रम है वर्षो से जारी है। इसके साथ ही आज कृषि वैज्ञानिक बार बार आग्रह कर रहे हैं कि उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग घातक स्तर पर पहुंच रहा है। पंजाब और उससे सटते इलाकों में खेती के हालात बयां कर रहे हैं। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत कमी के आग्रह को सकारात्मक लिया जाना चाहिए। इस बहाने हमें खेती को सही दिशा देने का अवसर मिला है। खरीफ की बुवाई में ही इस पर अमल किया जा सकता है। खेती और पर्यावरण से जुड़े सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को प्रोएक्टिव रोल अपनाते हुए आगे आना होगा। यह एक अवसर मिला है और इस अवसर का सकारात्मक उपयोग को देश की खेती किसानी को नई दिशा दी जा सकती है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मिले सुर मेरा–तुम्हारा....!

–उमेश चतुर्वेदी–

विधानसभा चुनावों में बड़े विपक्षी चेहरों की बड़ी नाकामी से विपक्षी खेमे में खलबली मच गई है। बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके के बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरे तरफ धांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी है।

दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं। राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक–दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी क्षत्रपों की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ,लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय। लेकिन कांग्रेसी आलाकमान की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। अपने पहले परिवार की पूरी स्वीकार्यता भले ही ना हो, लेकिन अगुआई कांग्रेस को ही चाहिए। यही वजह है कि विपक्षी राजनीति के सबसे ज्यादा स्वीकार्य चेहरा रहे नीतीश कुमार ने निराशा में उसी मोदी का हाथ थाम लिया, जिनसे वे दूर हो चुके थे। इसके बाद का इतिहास सबको पता है।

ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी–नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। उनकी अपनी छवि अक्सर राहुल गांधी पर भी भारी पड़ती है। इंडिया ब्लॉक के विचार के वक्त पूर्व कांग्रेसी होने के नाते ममता को पता था कि कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार और लालू यादव को पहली बैठक पटना में कराने का सुझाव दिया था। बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। विपक्ष को उसी वक्त चेतना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। असर यह हुआ कि हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मार ली। बाकी कसर बीते विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है।

गौर करने की बात है कि जब भी सत्ता पक्ष के उफान में विपक्ष बह जाता है, उसकी एकता की छटपटाहट बढ़ जाती है। ज्यादातर यह अस्तित्व संकट टालने का यह फौरी उपाय होता है। तब वह हार के बाद वोटों के गुणा–गणित में जुट जाता है। फिर उसे इलहाम होता है कि अगर वह एक रहता तो वह भारी पड़ता। 1962 के आम चुनावों में नेहरू को फूलपुर की सीट पर सीधी चुनौती में हार मिलने के बाद लोहिया को भी कुछ ऐसा ही लगा। तब भारी उत्सुकता और उत्साह के बावजूद लोहिया हार गए थे। इसके बाद उन्होंने गैर कांग्रेसवाद का विचार दिया। तब कांग्रेस को 44 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। लोहिया को लगा कि विरोध में पड़े 56 प्रतिशत वोटों को अगर एक किया जाता तो नतीजे कुछ और होते। गैर कांग्रेसवाद के बैनर के तले उन्होंने 1963 के उपचुनावों और 1967 के आम चुनावों में इसे आजमाया। इसका असर यह हुआ कि आठ राज्यों से कांग्रेस की विदाई हो गई। तब से सत्ता में आने वाली पार्टी के खिलाफ बाकी विपक्ष की एकता के सुर उठने की परंपरा बन गई है। कभी यह कांग्रेस के खिलाफ होता था, जिसमें वाममोर्चा और जनसंघ– बीजेपी भी शामिल रहते थे, अब यह भाजपा के खिलाफ हो रहा है।

प. बगाल के बीते विधानसभा चुनाव में ममता को जहां करीब 42 प्रतिशत वोट मिला है, वहीं बीजेपी को करीब 46 प्रतिशत। कांग्रेस को 2.97 और वाममोर्चे को 4.45 प्रतिशत वोट मिले हैं। गैर बीजेपी वोटों को मिला दें तो यह आंकड़ा 49 प्रतिशत से ज्यादा हो जाता है। चुनावी राजनीति में सात प्रतिशत का अंतर बड़ा होता है। अब विपक्षी खेमे को लग रहा है कि अगर वे एक होते तो बीजेपी को ऐसी जीत नहीं मिलती। वैसे चुनावी गणित सामान्य गणित की तरह नहीं होता। 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस से बीजेपी को पांच लाख से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह पिछड़ गई थी। चुनावी मैदान में जब सिर्फ दो खेमे होते हैं, तब मतदाताओं के बीच लंबवत ध्रुवीकरण हो जाता है। तब बिखराव वाले आंकड़े भी बदल जाते हैं। 2014 के संसदीय चुनाव में उत्तर प्रदेश में ऐसा साफ दिखा, जब बीजेपी सब पर भारी रही।

संसदीय चुनाव में सफलता के लिहाज से देखें तो कांग्रेस की 99 सीटों के बाद 37 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी विपक्ष का दूसरा बड़ा दल है। तीसरे नंबर पर 29 सीटों के साथ ममता ही हैं। इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक के पीछे ममता का भी विचार था, फिर भी ना तो लोकसभा और ना ही विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस या ब्लॉक के दूसरे दलों को तवज्जो दिया। तमिलनाडु में डीएमके के साथ कांग्रेस की खींचतान जारी रही। विपक्ष के किसी भी दल ने एकता की कीमत पर त्याग स्वीकार नहीं किया। विपक्षी खेमे का संकट यह है कि वह अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सहयोगियों से हिस्सेदारी बांटना ही नहीं चाहता।

मजबूत एकता के लिए विपक्ष के पास राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य साफ छवि वाला चेहरा होना जरूरी है। लेकिन विपक्ष के पास ऐसा चेहरा है भी नहीं। ममता बड़ी नेता तो हैं, लेकिन उनकी तुनकमिजाजी उन्हें सर्वमान्य चेहरा मानने के राह की बड़ी बाधा है। राहुल मोदी–शाह की जोड़ी को चाहे जिस अंदाज में चुनौती दें, मोदी विरोधी बौद्धिकों को उनका यह अंदाज चाहे जितना भी पसंद हो, लेकिन आमजन को उनमें कई बार बचकानापन नजर आता है तो कई मर्तबा प्रहसन। स्टालिन चाहे जितनी अच्छी तमिल बोलें, लेकिन राष्ट्रीय स्तर स्वीकार्यता के लिए वे अयोग्य हैं। इसी तरह केजरीवाल के पास बड़ा आधार नहीं है। रही बात अखिलेश यादव की तो, वे भी जमीनी राजनीति के बजाय बयानों के गुब्बारे उड़ाने के उस्ताद होते गए हैं।

आपसी अहं के टकराव के चलते नीतीश विपक्षी खेमा छोड़ चुके हैं। दूसरी बड़ी नेता ममता को चुनावी मैदान में करारी शिकस्त मिल गई है। अखिलेश को भी अगले साल उत्तर प्रदेश के सियासी मैदान में बीजेपी से दो–दो हाथ करना है। बीजेपी की कोशिश उन्हें तीसरी बार शिकस्त देने की होगी। अगर वह ऐसा करने में कामयाब रही तो उसके सामने दूर–दूर तक कोई चुनौती नहीं होगी। ऐसे में विपक्षी खेमे का संकट बड़ा है। अतीत के विपक्षी व्यवहार से नहीं लगता कि शायद ही भविष्य में कोई मजबूत मोर्चा बन सके। खुलकर विपक्षी खेमा भले ही ना कहे, लेकिन अंदर ही अंदर वह जरूर गुनगुना रहा है, कैसे मिले सुर हमारा–तुम्हारा....!

भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

–ललित गर्ग–

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों–अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना का जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस–यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में "जी–2" यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे–धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं।

बाप बना हैवानः 16 साल की बेटी के किए 6 टुकड़े, सिर तालाब में फेंका, बॉक्स में भर ट्रेन में छोड़ा शव

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के सेवरही थाना क्षेत्र के पिपराघाट मुस्तकिल गांव के जयपुर टोला में किशोरी की नृशंस हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपनी 16 वर्षीय पुत्री की हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने बताया कि उसने बेटी की हत्या कर शव के कई टुकड़े किए और साक्ष्य मिटाने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, जयपुर टोला निवासी बिगन अंसारी पुत्र मजिस्टर अंसारी ने पहले पूछताछ में खुद को निर्दोष बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या का जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसे अपनी पुत्री के किसी युवक से संबंध होने का शक था।

इसी वजह से उसने वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई। घटना से पहले उसने अपनी पत्नी और बेटे को घर से बाहर भेज दिया था।आरोपी ने पुलिस को बताया कि हत्या के बाद उसने बेटी का सिर काटकर उसके कई टुकड़े किए और पड़ोस के तालाब में फेंक दिया। इसके बाद शव को छह हिस्सों में काटकर प्लास्टिक और कपड़ों में लपेटकर एक बाक्स में रख दिया।

बाद में ई–रिक्शा से संदूक को तमकुहीरोड रेलवे स्टेशन ले गया और छपरा–गोमतीनगर एक्सप्रेस के एक स्लीपर कोच में रखकर वापस लौट आया। हालांकि आरोपी की पूरी योजना उस समय विफल हो गई, जब वह स्लीपर कोच के बजाय एसी कोच की तरफ से गुजर गया और उसकी संदिग्ध गतिविधियां रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं।

इसके आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। बुधवार दोपहर रेलवे पुलिस और सेवरही पुलिस की संयुक्त टीम आरोपी को लेकर गांव पहुंची। उसकी निशानदेही पर गोताखोरों की मदद से तालाब से सिर के टुकड़े और हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया गया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है।

छात्र को न्यूड कर लूट करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोंडा। जिले की नगर कोतवाली पुलिस ने एक स्नातक छात्र के अपहरण और लूटपाट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने छात्र को निर्वस्त्र कर उससे नकदी और अन्य सामान लूटा था। इस घटना में दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के छात्र शिवा तिवारी को बीते 18 मई को दिन में 11 बजे पेपर देकर घर लौटते समय जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर अगवा कर लिया गया था। आरोपी उसे धनौली बाजार नहर के पास ले गए। वहां शिवा तिवारी को निर्वस्त्र कर उससे /5,000 नकद और 14,500 पेटीएम के माध्यम से अपने खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए गए। आरोपियों ने लगभग 14,000 कीमत की एक महंगी घड़ी और अन्य सामान भी लूटा। इतना ही नहीं आरोपियों ने पीड़ित को एक अवैध तमंचा पकड़ाकर उसकी तस्वीरें खींचीं और पुलिस को अपशब्द कहते हुए उसका वीडियो भी बनाया। इसके बाद वे शिवा तिवारी को लगातार धमकी दे रहे थे कि यदि 2 लाख नहीं दिए गए तो तस्वीरें और वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। उन्होंने ध2 लाख की फिरौती न देने पर पूरे परिवार को बम से उड़ाने की भी धमकी दी थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर नगर कोतवाली पुलिस ने मुख्य आरोपी अर्पित पांडेय, मानवेंद्र तिवारी, देवेंद्र श्रीवास्तव और सत्यम सक्सेना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए ध2,800 और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। फरार दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। इन्हीं आरोपियों द्वारा बीते 18 मई को ही रात्रि में जानकी नगर मवैया तालाब के पास के रहने वाले रिकवरी एजेंट राघवेंद्र सिंह के घर पर भी 13 सेकंड में आठ बार बमबारी करके दहशत फैला दिया था उसे मामले का भी नगर कोतवाली पुलिस ने खुलासा किया है।

ओझा की हत्या का खुलासाः बेटे की मौत का बदला लेने के शक में आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। अंधविश्वास कभी–कभी इंसान की पूरी जिंदगी तबाह कर देता है। यह किसी के लिए मौत का सबब भी बन सकता है। ऐसा ही कुछ हुआ है उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में जहां एक पिता ने सड़क हादसे में बेटे की जान जाने के बाद इस शक में तांत्रिक की हत्या कर दी कि हो न हो उसके तंत्र–मंत्र की वजह से ही ऐसा हुआ होगा। तांत्रिक पर पिता के शक की वजह यह थी कि उस तांत्रिक ने जनवरी 2025 में उससे दो लाख रुपए उधार मांगे थे जो उसने दिए नहीं थे। तब तांत्रिक ने इस शख्स से कहा था कि पैसे नहीं देने का खामियाजा तुमको भुगतना पड़ेगा। इसी के कुछ दिन बाद शिवरात्रि के दिन सड़क हादसा हुआ जिसमें इस शख्स ने अपना बेटा गंवा दिया। बेटे की मौत के बाद उसने कुछ अन्य ज्योतिषियों और ओझाओं से इस बारे में बात की। वह जितना इस बारे में सोचता गया उतना ही उसका विश्वास गहरा होता चला गया कि उसके बेटे की मौत के पीछे तंत्र–मंत्र और तांत्रिक ही है। बस इसी शक में उसने खौफनाक प्लान बना डाला। पुलिस का कहना है कि बेटे की मौत का बदला लेने के लिए उसने तांत्रिक की हत्या कर दी। करीब एक साल बाद इस घटना का खुलासा हुआ है। आरोपित की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल लोहे की पाइप भी बरामद कर ली गई है। महराजगंज पुलिस कार्यालय के सभागार में बुधवार को एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने एएसपी सिद्धार्थ और सीओ सदर अंकुर कुमार गौतम के साथ तांत्रिक की मौत का खुलासा किया। बताया कि कोतवाली क्षेत्र के पिपरा रसूलपुर निवासी रमाकान्त चौहान ओझैती और तंत्र–मंत्र का काम करते थे। आरोपित राघवेन्द्र सिंह के परिवार से उनका संपर्क था। जनवरी 2025 में रमाकान्त ने राघवेन्द्र से दो लाख रुपये उधार मांगे थे। रुपये न मिलने पर दोनों के बीच नाराजगी हो गई थी। रमाकांत ने कहा था कि पैसा नहीं देने पर तुमको खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसी बीच शिवरात्रि के दिन राघवेन्द्र के बेटे ऋषभ सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई। आरोपित ने ज्योतिषियों और ओझाओं से पूछताछ की, जिसके बाद उसे विश्वास हो गया कि रमाकान्त ने तंत्र–मंत्र के जरिए उसके बेटे की जान ली है। इसी शक और बदले की भावना में उसने हत्या की योजना बनाई।

पुलिस के मुताबिक बीते साल एक जून को राघवेन्द्र सिंह पूजा–पाठ के बहाने रमाकान्त को अपनी कार से लेकर गया। रास्ते में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाने के बाद सहजनवां के पास बरईपार पाली गांव के बाहर सुनसान स्थान पर लोहे की पाइप से सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को बस्ती जनपद में टांडा जाने वाली रोड पर खडौवाजाट गांव के पास सड़क किनारे फेंक दिया गया।

इस मामले में मृतक की पत्नी बिजुला देवी की तहरीर पर कोतवाली थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान कार्यवाहक कोतवाल और प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार और उपनिरीक्षक अंजनी कुमार यादव की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। हत्यारोपी राघवेंद्र सिंह पुत्र रामजी सिंह उर्फ जेलर गोरखपुर जिले के केशवपुर वार्ड नंबर 16 पिक्चर हाल गली सहजनवा का रहने वाला है। हत्या का केस दर्ज करने के बाद वह दिल्ली में जाकर प्राइवेट नौकरी करने लगा। इसी बीच वह दिल्ली से घर आया। जिसके बाद कोतवाली पुलिस उसे दबोच ली। हत्यारोपी राघवेंद्र सिंह को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह, एसआई अंजनी कुमार यादव, हेड कांस्टेबल करुणेश सिंह, कांस्टेबल अमित वर्मा, अंकित यादव शामिल रहे।

गोंडा पहुंचे परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख की पुण्यतिथि कार्यक्रम में हुए शामिल

संवाददाता–गोण्डा। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह गोंडा के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। बेलसर बाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद मंत्री सिंह बेलसर में आयोजित पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्वर्गीय इंद्र बहादुर सिंह उर्फ पप्पू सिंह परास की पांचवीं पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय पप्पू सिंह परास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने स्वर्गीय इंद्र बहादुर सिंह के भाई और वर्तमान बेलसर भाजपा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू सिंह तथा उनके परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार का हालचाल जाना। मंत्री दयाशंकर सिंह, स्वर्गीय इंद्र बहादुर सिंह और राजेंद्र प्रताप सिंह के बीच पुरानी मित्रता थी। इंद्र बहादुर सिंह उर्फ पप्पू सिंह परास का निधन कोविड काल में हुआ था। तब से उनके छोटे भाई राजेंद्र प्रताप सिंह गुड्डू सिंह लगातार उनकी पुण्यतिथि का आयोजन कर रहे हैं। इस पांचवीं पुण्यतिथि कार्यक्रम में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह, तरबगंज से भाजपा विधायक प्रेम नारायण पांडेय और गोंडा जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र सहित बड़ी संख्या में भाजपाई शामिल हुए। इन सभी नेताओं ने भी स्वर्गीय पप्पू सिंह परास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया।

शादी की जिद पर किशोरी टावर पर चढ़ीः पहले से शादीशुदा है प्रेमी, दो घंटे समझाने के बाद पुलिस ने नीचे उतारा

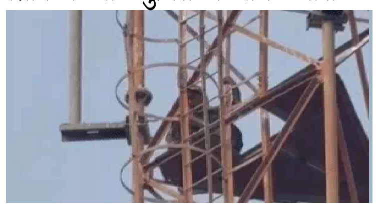

संवाददाता–बहराइच। शादीशुदा प्रेमी से निकाह करने की जिद में नाबालिग मोबाइल टावर पर चढ़ गई। ग्रामीणों की जब टॉवर पर नजर पड़ी तो उन्होंने तुरंत डॉयल–112 पर सूचना दी। मौके पर पीआरवी टीम ही थाना पुलिस के साथ पहुंची।

पुलिसकर्मियों ने माइक के जरिए नाबालिग को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक पुलिस और ग्रामीणों उससे नीचे उतरने की अपील करते रहे। इसके बाद थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने भरोसा दिलाते हुए कहा, "बेटा, जो बात है बताओ। जो कहोगी वही किया जाएगा। जहां तुम चाहोगी, वहीं तुम्हारी शादी कराई जाएगी।"

करीब चार घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद नाबालिग को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके बाद पुलिस उसको लेकर थाने चली गई। वहां समझाने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

वहीं, नाबालिग की मां ने बताया कि उनकी बेटी दूसरी बिरादरी के युवक के साथ प्रेम संबंध चल रहा है, वह उसी से निकाह करना चाहती है। वह शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। इसी वजह से परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं था।

यह पूरा मामला रुपईडीहा थाना क्षेत्र के लहरपूर्वा गांव का है। गांव निवासी नाबालिग बुधवार की सुबह में करीब 7 बजे अचानक बिना किसी को बताए गांव में लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। सबसे पहले गांव के ही पी.एल. राय की नजर आसिया बानो को टॉवर पर चढ़ने के दौरान पड़ी। उन्होंने तुरंत डायल–112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही रुपईडीहा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिसकर्मियों ने माइक के जरिए युवती को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक पुलिस उससे नीचे उतरने की अपील करती रही। पुलिस ने भरोसा दिलाते हुए कहा, "बेटा, जो बात है बताओ। जो कहोगी वही किया जाएगा। जहां तुम चाहोगी, वहीं तुम्हारी शादी कराई जाएगी।" करीब चार घंटे तक चली समझाइश और मशक्कत के बाद युवती नीचे उतरने को राजी हुई। इसके बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया।

नाबालिग की मां ने बताया कि उनकी बेटी गांव के ही युवक के साथ प्रेम संबंध चल रहा है। युवक दूसरी बिरादरी का है और पहले से शादीशुदा है। उसके बच्चे भी हैं। इसी वजह से परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं था।

वहीं, थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने बताया कि नाबालिग को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद परिजनों को थाने बुलाया गया। आवश्यक पूछताछ के बाद उसको परिवार को सुपुर्द कर दिया गया। बाद में परिजन उसे वापस गांव ले गए।

दवा दुकानें खुलीं, राष्ट्रव्यापी बंद का नहीं दिखा असर

संवाददाता–बलरामपुर। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के राष्ट्रव्यापी बंद का असर नहीं दिखा। जनपद की अधिकांश दवा दुकानें खुली रहीं और आमजन को आवश्यक दवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध कराई गईं। यह बंद अवैध ई–फार्मेसी और कॉर्पोरेट घरानों द्वारा दी जा रही भारी छूट के विरोध में बुलाया गया था। बंद के समर्थन में ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स से जुड़े कुछ सदस्यों ने मेमोरियल अस्पताल के सामने टेंट लगाकर दवा व्यापारियों पर दुकानें बंद करने का दबाव बनाया। इस पर व्यापारियों ने तुरंत केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, बलरामपुर के महामंत्री अजय श्रीवास्तव को सूचना दी। सूचना मिलने पर अजय श्रीवास्तव ने औषधि निरीक्षक सुमित कुमार वर्मा को घटना से अवगत कराया। औषधि निरीक्षक सुमित कुमार वर्मा चौकी प्रभारी संतोष कुमार के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दबाव बनाने वाले लोगों को हटाया और सभी दवा दुकानों को खुला रखने के निर्देश दिए। महामंत्री अजय श्रीवास्तव ने कहा कि दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत आती हैं। दवा दुकानों की बंदी से गंभीर रोगों से जूझ रहे मरीजों के हित प्रभावित होते हैं। उन्होंने जोर दिया कि जनता और मरीजों की सेवा प्राथमिकता है। किसी भी नीति या व्यवस्था पर असहमति का समाधान संवैधानिक और संवाद के माध्यम से होना चाहिए, न कि आमजन को मुश्किल में डालकर।

इस दौरान विजय श्रीवास्तव, सुजीत कुमार, कमलेश मिश्रा, अंबरीश शुक्ल और सुनील श्रीवास्तव सहित कई अन्य दवा व्यापारी उपस्थित रहे।

22 मई को देवरिया आएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रशासन ने शुरू की तैयारी

संवाददाता–देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 मई को देवरिया आएंगे। वह देवरिया कसया मार्ग 4 लेन निर्माण का शिलान्यास करेंगे। इसके लिए प्रशासन और भाजपा संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि अभी तक जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री के आगमन का प्रोटोकॉल नहीं मिला है।

देवरिया और कुशीनगर जिला जल्द ही फोरलेन मार्ग से जुड़ जाएगा। देवरिया कसया मार्ग फोरलेन निर्माण के लिए शासन ने फरवरी महीने में ही स्वीकृति देते हुए बजट आवंटित कर दिया था। फोरलेन निर्माण कार्य के लिए भाजपा संगठन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिलान्यास कराने के लिए जोर लगाए हुए है। इसकी सुगबुगाहट मिलते ही जिला प्रशासन ने भी तैयारी शुरू कर दी हैं। बुधवार को जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह। जिलाधिकारी ने शिलान्यास के कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने रामपुर कारखाना मंडल अध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडेय से कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री के आगमन पर जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, अजय सिंह, सतीश राव, पुरुषोत्तम पांडेय, जितेश पांडेय, गौतम सिंह, राजकिशोर यादव आदि साथ रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित शिलान्यास कार्यक्रम में आने की संभावना के मद्देनजर रामपुर कारखाना के विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने नगर पंचायत में पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं संग बैठक किया। विधायक चौरसिया ने भीमपुर से तरकुलवा मुख्य मार्ग पर फ्लैक्स बैनर लगाने के बारे में जरूरी दिशा निर्देश दिए। मंडल अध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडेय एवं अन्य मंडल अध्यक्ष को शिलान्यास कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के आने की संभावना को देखते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरयू–नदी में नहाने उतरे दामाद को मगरमच्छ खींच ले गया, गोंडा में सास के अंतिम संस्कार में आया था

संवाददाता–गोण्डा। सास की चिता सजाते युवक को मगरमच्छ खींच ले गया। युवक सरयू नदी के घाट पर चिता के लिए गड्ढा खोद रहा था। गड्ढा खोदने के बाद युवक हाथ धुलने नदी के किनारे गया। इस बीच, मगरमच्छ बाहर निकला। युवक का सिर अपने जबड़े में दबाया, फिर तेजी के साथ उसे पानी के अंदर खींच ले गया। घाट पर खड़े लोग चीखते–चिल्लाते रहे, लेकिन तब तक युवक को मगरमच्छ काफी दूर खींच ले गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय नाविकों की मदद से युवक की तलाश शुरू की है। मौके पर एसडीएम तरबगंज भी पहुंचे। फिलहाल, युवक की तलाश जारी है। घटना उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र की है।

डीहा गांव में बाबूलाल वर्मा रहते हैं। वह खेती–किसानी करते हैं। उनके बेटे लालचंद्र की मौत हो चुकी है। परिवार में उनकी बहू उर्मिला थी, जिनकी मंगलवार को कैंसर के चलते मौत हो गई। 5 साल पहले उर्मीला की बेटी रेखा की शादी ग्रेटर नोएडा के दीपक (30) से हुई थी। दीपक परी चौक सिग्मा 2 में रहते थे। दोनों की एक बेटी निक्की (4) है। दीपक एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था। वह पत्नी और बेटी के साथ सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने गोंडा आए थे। बुधवार को सनौली मोहम्मदपुर उदयभान पाही के पास सरयू नदी के किनारे होना तय हुआ। दोपहर करीब 12 बजे नदी के किनारे सभी लोग पहुंचे। दीपक ने चिता सजाने के लिए नदी के किनारे ही खूंटा गाड़ना शुरू किया।

स्थानीय लोगों ने उसे पहले ही चेताया था कि नदी में मगरमच्छ है, सावधान रहना। वह खूंटा गाड़ रहा था। इसके बाद वह हाथ धुलने के लिए नदी के किनारे पहुंचा। दीपक अपना हाथ धुल रहा था, इस बीच मगरमच्छ नदी से बाहर आया। उसने दीपक का सिर अपने जबड़े में भर लिया। ये देखकर लोग दीपक की ओर दौड़े और शोर मचाया, लेकिन तब तक मगरमच्छ उसे पानी में खींच ले गया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जैसे ही मगरमच्छ ने उसे खींचा। मैंने पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह लेकर के चला गया। मैंने प्रयास किया तो मैं भी पानी में गिर गया। वहीं, एक अन्य प्रत्यक्षदर्शियों अमन ने बताया कि दीपक वहीं खड़े होकर गड्ढे की खुदाई कर रहे थे। उन्हें पहले ही चेतावनी दी थी कि वहां मगरमच्छ रहता है। उस तरफ न जाएं। इसके बावजूद वह हाथ धोने के लिए पानी के पास चले गए। जैसे ही वह हाथ धोने के लिए नीचे झुके, मगरमच्छ ने उनका सिर जबड़े में भरा और अंदर खींच ले गया।

लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और स्थानीय नाविक नाव से उसकी तलाश में जुट गए। सूचना मिलते ही उमरी बेगमगंज थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों के साथ अन्य टीमों को भी बुलाया गया है। युवक के शव की तलाश में पुलिस और प्रशासन लगातार दीपक की तलाश कर रही है। एसडीएम तरबगंज भी घटनास्थल पर पहुंचे और जायजा लिया। हालांकि, दीपक का अभी तक कुछ पता नहीं चला है।

बाबू लाल ने बताया कि हमारी बहू की मौत हो चुकी थी। मेरे आगे पीछे कोई नहीं है। रिश्तेदार ही पूरी क्रिया कर्म की तैयारी कर रहे थे। अंतिम संस्कार के लिए खूंटा लग रहा था यह इतने में ही मगरमच्छ आया और उसे खींच ले गया। किसी ने बचाने की कोशिश नहीं की, पानी में कौन कूदे अपनी जान देने के लिए।

भीषण गर्मी जारी, तापमान 41 डिग्री, डॉक्टरों ने लू से बचाव के लिए सावधान रहने अपील की

संवाददाता–बलरामपुर। भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि की चेतावनी दी है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। मौसम विभाग ने 21 और 22 मई को लू चलने की संभावना जताई है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन दिनों तापमान में 3–4 डिग्री सेल्सियस की और वृद्धि हो सकती है। जिला मेमोरियल अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गिरधर चौहान ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए अस्पताल के सभी वार्डों में कूलर और पंखे पूरी तरह से चालू कर दिए गए हैं। साथ ही, पानी की पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने जनता से गर्मी और लू से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की। डॉ. चौहान ने विशेष रूप से बताया कि गर्मियों में शरीर के तरल पदार्थ तेजी से सूखते हैं, जिससे पानी और नमक की कमी हो जाती है और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। शराब पीने वाले, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा और मधुमेह से पीड़ित लोग लू से विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। लू लगने पर त्वचा लाल और शुष्क हो जाती है, नब्ज तेज हो जाती है, सांस की गति बढ़ जाती है और सिरदर्द, मिचली व थकान जैसी समस्याएं होती हैं। उन्होंने सभी नागरिकों को सलाह दी कि घर से बाहर निकलते समय गमछे या कपड़े से मुंह ढकें, ठंडे पानी का सेवन करें, भारी और तैलीय भोजन से परहेज करें। साथ ही, लू के दौरान धूप में कम से कम समय बिताएं। जिला प्रशासन ने भी गर्मी को देखते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं और आवश्यक स्थानों पर जल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की है।

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता–गोण्डा। बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में गैस सिलेंडर लेने जा रहे 25 वर्षीय युवक समीर की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना परसपुर थाना क्षेत्र के कर्नलगंज–परसपुर मार्ग पर हुई। मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा 16 वर्षीय किशोर कुन्ने गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। समीर पुत्र शाह मोहम्मद निवासी पंडित सिवान आटा, परसपुर और कुन्ने एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर भारत गैस एजेंसी परसपुर पूरे धीरज जा रहे थे।

रास्ते में आटा धर्म कांटा के पास करनैलगंज की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिर गए। समीर को गंभीर चोटें आईं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुन्ने को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसपुर ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। परसपुर पुलिस ने मृतक समीर के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में पिकअप चालक के खिलाफ परसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने वाहन को भी कब्जे में ले लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। परसपुर थाना अध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों युवक एलपीजी गैस सिलेंडर लेने जा रहे थे, तभी पिकअप की टक्कर से समीर की मौत हो गई और कुन्ने घायल हो गया। उन्होंने पुष्टि की कि मुकदमा दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

छह दिन से लापता युवक का जंगल में लटका मिला शव

संवाददाता–श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदहा के मजरा घुमना निवासी एक युवक 14 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था, जिसका शव बुधवार को जंगल में पेड़ से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घुमना निवासी रामप्रसाद उर्फ चवन्नी (24) पुत्र साबितराम यादव 14 मई को घर से लापता हो गया था। परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन पता न चलने पर उनके बड़े भाई घनश्याम यादव ने 18 मई को मल्हीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराया था। बुधवार को थाना क्षेत्र के ककरदरी जंगल स्थित मरी माता मंदिर से करीब 200 मीटर दूर जंगल में लकड़कट्टो ने एक अज्ञात युवक का शव सागौन के पेड़ पर गमछे के फंदे से लटकता देखा।

वंदन योजना से 1.20 करोड़ के कार्यों का शिलान्यास

संवाददाता–बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वार्ड भगवतीगंज दक्षिणी में उत्तर प्रदेश सरकार की श्वंदन योजनाश के तहत 120.50 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया। सदर विधायक पल्टूराम और नगर पालिका परिषद चेयरमैन धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने संयुक्त रूप से इन कार्यों की शुरुआत की। यह परियोजना नगरीय क्षेत्रों में स्थित धार्मिक, सांस्कृतिक, पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों के विकास और वहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वीकृत की गई है। चेयरमैन धीरू ने बताया कि साल 2025–26 में स्वीकृत इस योजना से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, साथ ही क्षेत्र का समग्र सौंदर्यीकरण होगा। योजना के अंतर्गत वार्ड स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में कई महत्वपूर्ण कार्य कराए जाएंगे। इनमें श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए आधुनिक विश्रामालय का निर्माण, हवन कुंड का निर्माण तथा सीसी रोड एवं फर्श निर्माण कार्य शामिल हैं। मंदिर से जुड़े घाट का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण भी परियोजना का प्रमुख हिस्सा है।

बकरीद पर शांति की अपील, सड़क पर नमाज पर रोक, प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पर भी प्रतिबंध

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ईदु–उल–जुहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने की, जिसमें पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन, अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव और अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार उपस्थित रहे।

इस बैठक में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधियों, संभ्रांत नागरिकों, उपजिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों और थानाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। जिलाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों से पीस कमेटी बैठकों की जानकारी ली, जिसमें बताया गया कि सभी क्षेत्रों में शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई है।

जिलाधिकारी ने जोर देकर कहा कि सिद्धार्थनगर हमेशा से शांतिप्रिय जनपद रहा है और इस पहचान को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नगर निकायों और पंचायत विभाग को ईदगाहों व मस्जिदों के आसपास साफ–सफाई, नालियों की सफाई, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि ईद की नमाज सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर नहीं पढ़ी जाएगी।

बैठक में प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न करने और कुर्बानी के बाद अवशेषों का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि गंदगी या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को नमाज के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने तथा स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं चालू रखने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने बताया कि 28 मई को मनाए जाने वाले बकरीद पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी सूचना की सत्यता की पहले जांच कर लें। उन्होंने असामाजिक तत्वों से दूरी बनाकर प्रेम और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का आह्वान किया।

बैठक का संचालन अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ने किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, सभी एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय, थानाध्यक्ष और बड़ी संख्या में संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान पत्नी के मायके जाने से था परेशान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना क्षेत्र के अलीदापुर गांव में मंगलवार देर रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पारिवारिक कलह और घरेलू तनाव को घटना का कारण बताया जा रहा है। मृतक अपने पीछे बूढ़े माता–पिता, चार भाई और दो मासूम बच्चे छोड़ गया है। मृतक की पहचान प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। वह शादी–विवाह कार्यक्रमों में कैटरिंग का काम कर परिवार का भरण–पोषण करता था। ग्रामीणों के अनुसार, प्रदीप मेहनती और मिलनसार स्वभाव का था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से उसका पारिवारिक माहौल ठीक नहीं चल रहा था। पत्नी नीलम उर्फ गुड़िया से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद वह नाराज होकर अपने रिश्तेदारी में चली गई थी। इस घटना के बाद से प्रदीप मानसिक तनाव में रहने लगा था। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार रात प्रदीप ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। बुधवार सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो परिवार के सदस्यों ने उसे जगाने की कोशिश की। अंदर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने दरवाजा खोला। दरवाजा खोलने पर प्रदीप का शव फंदे से लटका मिला।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम जगन्नाथ पुत्र सुक्खू साकिन डीघा पो0 दुधौरा जिला–बस्ती का निवासी हूं। प्रार्थी ने एक पालिसी लिया था जिसमे मेरा नाम गोलई अंकित है और आधार कार्ड, बैंक पासबुक व अन्य अभिलेखों में मेरा नाम जगन्नाथ अंकित है, जो कि दोनो नाम हम प्रार्थी का ही है जिससे दोनो नामों से हम प्रार्थी को जाना व पहचाना जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम फूला देवी पत्नी जगन्नाथ साकिन डीघा पो0 दुधौरा जिला–बस्ती की निवासनी हूं। प्रार्थिनी ने एक पालिसी लिया था जिसमे मेरा नाम मीना देवी तथा पति का नाम गोलई अंकित है और आधार कार्ड, बैंक पासबुक व अन्य अभिलेखों में मेरा नाम फूला देवी पति का नाम जगन्नाथ अंकित है, मीना देवी व फूला देवी दोनो नाम हम प्रार्थिनी का है तथा गोलई व जगन्नाथ दोनो नाम मेरे पति का है जिससे दोनो नामों से हमे व हमारे पति को जाना व पहचाना जाये।

गोरखपुर दवा बाजार में बंद का मिला–जुला असर, सात करोड़ का कारोबार प्रभावित

संवाददाता–गोरखपुर। ऑल इंडिया आर्गेनाइजेशन आफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर दवा विक्रेता समिति ने बुधवार को दवा बाजार बंद रखने की घोषणा की थी। ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। कुछ व्यापारियों ने अपनी दुकानें खोल रखी हैं। हास्पिटल, नर्सिंग होम व क्लिनिकों पर दुकानें खुली हैं, इमरजेंसी सेवा के चलते उन्हें बंद कराने की कोशिश नहीं की गई। बंदी का मिला–जुला असर देखने को मिला लेकिन थोक मंडी में कारोबार पूरी तरह प्रभावित रहा, क्योंकि ग्राहक नहीं पहुंचे। दवा विक्रेता समिति का दावा है कि पूरे जिले में लगभग सात करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ है। दवा की थोक मंडी भालोटिया मार्केट में 70 प्रतिशत दुकानें बंद रहीं, 30 प्रतिशत व्यापारियों ने अपनी दुकानें खोल रखी हैं। लेकिन ग्राहक नहीं हैं। मार्केट में सन्नाटा पसरा है। बंद का आह्वान करने वाले संगठन की टीम बाजार में चहलकदमी करती नजर आई। भालोटिया कटरा व कृष्णा काम्प्लेक्स में जीएम काम्लेक्स, शिवम कांपलेक्स व गौतम काम्प्लेक्स में लगभग सभी दुकानें खुली हैं। अन्य काम्प्लेक्स में मिला जुला असर है। शहर व ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादातर फुटकर दुकानें बंद हैं। दवा विक्रेता समिति के महामंत्री आलोक चौरसिया ने बताया कि भालोटिया मार्केट से प्रतिदिन साढ़े तीन करोड़ रुपये व पूरे जिले की फुटकर दुकानों से लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस तरह सात करोड़ रुपये का कारोबार एक दिन की बंदी से प्रभावित हुआ है। इमरजेंसी सेवा बाधित न हो, इसके लिए हास्पिटल, नर्सिंग होम व क्लिनिकों पर मेडिकल स्टोरों को बंद नहीं कराया गया है। फुटकर दुकानदारों को भी यह मैसेज दे दिया गया था कि यदि इमरजेंसी मामला सामने आ जाए तो दुकान खोलकर दवा दे दें। उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा विरोध आनलाइन दवा बाजार को लेकर है।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना अदालत–श्रीमान जे0एम0 / एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण घरेलू हिंसा वाद संख्या–108 / 2026

थाना–मुण्डेरवा

जिला–बस्ती

शशि

बनाम

कृष्णा जायसवाल आदि

11. कृष्णा जायसवाल पुत्र स्व0 मनीराम जायसवाल 2 रामकली पत्नी स्व0 मनीराम जायसवाल 3. राम सागर उर्फ बबलू जायसवाल पुत्र स्व0 मनीराम जायसवाल 4. शिवसागर जायसवाल पुत्र स्व0 मनीराम जायसवाल 5. दीपक जायसवाल पुत्र स्व0 मनीराम जायसवाल 6. अजय जायसवाल पुत्र स्व0 मनीराम जायसवाल 7. नीरजा जायसवाल पत्नी राम सागर जायसवाल 8. संजू जायसवाल पत्नी शिवसागर जायसवाल 9. तेजल पत्नी दीपक जायसवाल साकिनान– मदनपुरा, थाना–कलवारी, जिला–बस्ती 10. रामचन्द्र चौरसिया पुत्र गयादीन सकिन–इजरगढ, थाना–कलवारी, जिला–बस्ती।

(विपक्षीगण)

तारीख पेशी 30–05–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है / किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 30 मास 05 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह / अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता–अंबेडकर नगर। बहुजन मुक्ति पार्टी ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ धरना दिया। यह प्रदर्शन कलेक्ट्रेट के निकट अंबेडकर प्रतिमा के प्रांगण में आयोजित किया गया, जिसके बाद पार्टी ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भी सौंपा। बहुजन मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनू कुमार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने स्मार्ट मीटर द्वारा उपभोक्ताओं पर अधिकतम बिजली बिल थोपने, तथा महंगे घरेलू और व्यावसायिक गैस एवं पेट्रोल–डीजल की कीमतों पर चिंता व्यक्त की। कुमार ने कहा कि स्मार्ट मीटर पारदर्शी नहीं हैं और निजी कंपनियां इनका गैर–कानूनी तरीके से इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि स्मार्ट मीटर में सिम होने के कारण बिजली की यूनिट को आसानी से बढ़ाया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। उन्होंने स्मार्ट मीटर की तुलना इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से करते हुए कहा कि एक तरफ ईवीएम जनता के वोटों की चोरी कर रही है, वहीं स्मार्ट मीटर यूनिट की चोरी कर जनता के पैसे लूट रहे हैं। उनके अनुसार, सरकार की मदद से निजी कंपनियां स्मार्ट मीटर के माध्यम से जनता को लूट रही हैं। जिलाध्यक्ष ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 1500 रुपये से 2000 रुपये तक और व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत 2500 रुपये से 3500 रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है, फिर भी गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं।

आशा कार्यकत्रियों ने डीएम कार्यालय पर किया जोरदार प्रदर्शन, बकाया भुगतान की मांग

संवाददाता–गोरखपुर। आशा वर्कर यूनियन के बैनर तले बुधवार को सैकड़ों आशा कार्यकत्रियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर जमकर प्रदर्शन किया। बकाया भुगतान जल्द जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारी महिलाएं सुबह से ही कार्यालय के बाहर जुटीं और अपनी मांगों के साथ नारेबाजी करती रहीं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा भुगतान में देरी के खिलाफ नाराजगी जताई और डीएम कार्यालय परिसर में कदम जमा लिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकत्रियों ने जिलाधिकारी की गाड़ी का घेराव करने की कोशिश भी की, जिससे माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया। पुलिस और प्रशासन के कर्मचारी बीच में जाकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। संघर्ष के बीच आशा कार्यकत्रियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। यूनियन की जिला अध्यक्ष मीनू प्रजापति ने कहा कि शासन नियमित रूप से आशा कर्मियों के भुगतान के लिए धन भेज रहा है, पर गोरखपुर की स्वास्थ्य इकाई समय पर भुगतान नहीं कर रही है, जिसकी वजह से वे आर्थिक तंगी का सामना कर रही हैं। मीनू प्रजापति ने बताया कि उन्हें मोबाइल कॉल और दस्तावेजों के माध्यम से कई बार इसकी जानकारी दी गई है, मगर जमीन पर किसी भी तरह की भुगतान प्रक्रिया आरंभ नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कई कार्यकत्रियों के परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं और यदि भुगतान नहीं किया गया तो और उग्र आंदोलनों पर मन बनाया जा सकता है। मातहतों ने प्रदर्शनकारियों की समस्या सुनने के लिए जिलाधिकारी दीपक मीणा को सूचना दी। जिलाधिकारी ने मौके पर आकर प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और उनकी बातों को गंभीरता से सुना। डीएम ने मुख्य सीएमओ से तुरंत समन्वय कर बकाया राशि जारी करने का निर्देश दिया और कहा कि भुगतान प्रक्रिया में जिस भी स्तर पर बाधा है, उसे शीघ्रता से दूर किया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि दो–तीन दिनों के भीतर मामले का समाधान किया जाएगा और भुगतान के सम्बन्ध में लिखित रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जायेगी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– T202517140310423

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला बस्ती

ज्योति कुमार श्रीवास्तव आदि

बनाम

नीलकमल श्रीवास्तव आदि

1. नीलकमल श्रीवास्तव 2. स्वपन श्रीवास्तव पुत्रगण स्व0 वीरेन्द्र बहादुर उर्फ वीरेन्द्र प्रसाद 3. श्रीमती मालती देवी पत्नी स्व0 वीरेन्द्र बहादुर उर्फ वीरेन्द्र प्रसाद निवासीगण ग्राम उजियानपुर तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी राम प्रताप निवासिनी ग्राम जिभियॉव तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 5. ग्राम पंचायत जिभियॉव जरिए ग्राम प्रधान ग्राम जिभियॉव तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 20 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा जिला बस्ती

सुमन

बनाम

प्रमोद

1. चन्द्रावती साकिन कुदरहा तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 21 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 00842 / 2019

क0 वाद सं0– T201917140100842

अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार सदर तहसील हर्रैया जिला बस्ती

श्रीमती रहिमूला

बनाम

विशुनदास आदि

1. श्रीमती रहिमूला बेवा झिनकान साकिन महुघाट तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती उ0प्र0

तारीख पेशी 05–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 09 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–127 / 2026

आमिना खातून आदि

बनाम

रमेश आदि

1. रमेश पुत्र रूद्रनाथ उम्र 50 वर्ष 2. जगदीश प्रसाद पुत्र गया प्रसाद उम्र 62 वर्ष निवासीगण हर्दिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 26–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिए अौर हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–530 / 2025

जलालुद्दीन आदि

बनाम

मस्तराम आदि

1. मस्तराम उम्र करीब 40 साल 2. संतराम उम्र करीब 45 साल पुत्रगण राजवली निवासीगण ग्राम पिकौरा शुक्ल तप्पा होली परगना बस्ती पूरब तहसील वा जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. तवारक अली उर्फ लाल मोहम्मद उम्र करीब 70 साल 4. इबारत अली उम्र करीब 76 साल 5. मतीउल्लाह उम्र करीब 60 साल पुत्रगण सत्तार 6. मजी बुर्हमान उम्र 20 वर्ष पुत्र 7. इयान उम्र 14 वर्ष 8. लुकमान उम्र 8 वर्ष पुत्रगण अबूबकर माता हकीकी नाजमा 9. नाजमा उम्र करीब 45वर्ष पत्नी अबूबकर 10. अब्दुल रहमान उम्र करीब 35 साल पुत्र निवासीगण ग्राम पिकौरा शुक्ल तप्पा होली परगना बस्ती पूरब तह तोल वा जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 31–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–D2024171400393

अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती

मुहम्मद याकूब

बनाम

मजीद आदि

1/1 मो0 मुस्तकीम 1/2 मो0 मुस्तफा 1/3 मो0 जाफर 1/4 मो0 मोबीन 1/5 मो0 मोइन 1/6 मो0 क्यूम पुत्रगण मजीद साकिनान मौजा छनवतिया पो0 सिहारी सरदहा तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

2. रामसूरत पुत्र फागू 3. बंशराजी पत्नी फागू 4. कलावती पत्नी इन्द्र प्रताप साकिनान मौजा छनवतिया पो0 सिहारी सरदहा तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–06–2026

वाजेह हो कि देवी ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 01 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

तीन दिन 44 पारम्परिक स्थलों पर होगी कुर्बानी

संवाददाता–गोरखपुर। बकरीद (ईद–उल–अजहा) बकरीद का त्योहार 28 मई को मनाया जाएगा। नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू होगा, जो अगले दो दिनों तक चलेगा। महानगर में पारंपरिक रूप से 44 स्थानों पर कुर्बानी दी जाएगी। महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों और नालियों में किसी भी प्रकार का अपशिष्ट न डाला जाए, ऐसा करने से जलनिकासी और सफाई व्यवस्था प्रभावित हो। आश्वस्त किया कि नगर निगम प्रशासन की जिम्मेदारी है कि कुर्बानी के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट का समयबद्ध और स्वच्छ निस्तारण सुनिश्चित होगा, ताकि शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनी रहे। बुधवार को महापौर डॉ मंगलेश की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्पष्ट कहा गया कि विभिन्न कुर्बानी स्थलों से निकले अवशेषों को तयशुदा स्थानों पर ले जाकर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाए। इसके लिए नगर निगम ने कर्मचारियों, वाहन चालकों, सफाई निरीक्षकों और कार्यवाहक निरीक्षकों की विशेष ड्यूटी लगाई जाए। सभी सफाई सुपरवाइजर और कार्यवाहक मेट को यह निर्देश दिया गया है कि वे अपने–अपने वार्ड के सभी कुर्बानी स्थलों, मस्जिदों और अन्य निर्धारित स्थानों की निगरानी करें। सुनिश्चित करें कि कुर्बानी के बाद अवशेषों को तत्काल हटाया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक स्थल पर रोजाना विसंक्रमण (डिसइंफेक्शन) का कार्य हो। महापौर ने इसके पूर्व महानगर में विशेष स्वच्छता अभियान चला सभी कुर्बानी स्थलों को विसंक्रमित करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त अजय जैन ने आश्वस्त किया कि बकरीद पर महानगर संवेदनशील और भीड़–भाड़ वाले इलाकों में विशेष साफ–सफाई होगी।

प्रत्येक कुर्बानी स्थल पर डेडिकेटेड वाहन अपशिष्ट निस्तारण के लिए लगाए जाएंगे। अलग के क्यूआरटी भी गठित होंगी। परिवहन तिरपाल से ढकी गाड़ियों में किया जाएगा। बैठक में पार्षद जिलाउल इस्लाम, अशोक यादव, साहब अंसारी, विजेंद्र अग्रहरि, जुबैर अहमद, नूर मोहम्मद, अभिषेक शर्मा, उजैर अहमद, दिलशाद राइन, शमद गुफरान, श्रवण पटेल, अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार, अतुल कुमार, सीमा पाण्डेय, मुख्य अभियंता अमित कुमार शर्मा, जोनल सेनेटरी अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव, समेत सभी सहायक नगर आयुक्त, जोनल अधिकारी, सफाई निरीक्षक उपस्थित रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com